भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 892

उत्तुर देने की तारीख 21.11.2019

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा बांस की बोतलों का विनिर्माण

892. श्रीमती क्वीन ओझाः
डॉ. भारतीबेन डी॰ श्यालः

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यहबताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या जल के भंडारण के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा बांस की बोतलें बनाई गईहैं ;
(ख) यदि हां, तो प्लास्टिक बोतलों और बांस की बोतलों को बनाने में कितना व्यय हुआ है और इनका अंतर कितना रहा;
(ग) क्या सरकार ने आयोग की आय बढ़ाने के लिए कोई कार्य-योजना तैयार की है अथवा इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किए हैं और खादी और ग्रामोद्योग की वर्तमान वार्षिक आय कितनी है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री नितिन गडकरी)

(क) खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) उत्पादन कार्य कलापों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं लगा हुआ है परंतु केवीआईसी द्वारा संवर्धित संस्थाएं और व्यक्तिगत उद्यमी बांस की बोतलों का विनिर्माण कर रहे हैं।

(ख) बांस की बोतलें प्रकृति में अनोखी, पर्यावरण-अनुकूल और बायोडिग्रेडेबल उत्पाद होती हैं जब कि प्लास्टिक की बोतलें बायोडिग्रेडेबल नहीं होती हैं। इसलिए, प्लास्टिक की बोतलों और बांस की बोतलों के बीच तुलना नहीं की जा सकती है। प्लास्टिक और बांस की बोतलों के विनिर्माण की लागत घटकों का रख-रखाव केवीआईसी द्वारा नहीं किया जाता है।

(ग) चूंकि केवीआईसी बांस और प्लास्टिक की बोतलों के उत्पादन के कार्यकलापों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं लगा हुआ है, इसलिए इस संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जाता है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

*****